an>

Title: Issue regarding discrimination against Dalits and the housing problems faced by Dalits in the country.

**डॉ. उदित राज (उत्तर-पश्चिम दिल्ली) :** मैंडम, मैं आपके पृति आभारी हूं कि आपने बहुत ही महत्वपूर्ण विषय पर बोलने की इजाजत दी हैं।

## 12.26 hours

(At this stage Shri Chaudhury Mohan Jatua and some other hon. Members came and stood on the floor near the Table)

मैंडम, मैं डॉ. अम्बेडकर की बात कोट करते हुए शुरू करूंगा।

"I, Dr. Ambedkar, observed that many villages continue to remain sinks of localism, dens of ignorance and narrow-mindednessâ€;"

मैडम, मैं कहना चाहूंगा कि नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के हिसाब से दिततों के ऊपर अत्याचार बढ़े हैं। वर्ष 2013 में इसमें 17 प्रतिशत जम्प हुई और वर्ष 2014 में 19 प्रतिशत से ज्यादा वृद्धि हुई हैं। इसी तरीके से, इनके लिविंग स्टैंडर्ड के बारे में जो रीसेंट सर्वे हैं, उसमें बताया गया है कि 21 प्रतिशत दिलत आज कच्चे मकान में रह रहे हैं, जबकि दूसरों के मामले में ऐसा नहीं हैं। मैं डॉ. अम्बेडकर के कोटेशन के साथ अपनी बात खत्म करता हूं।

"The castes are anti-national because they bring separation in social life. They are anti-national also because they generate jealousy and antipathy between caste and caste. But we must overcome all these difficulties if we wish to become a nation in reality."

Thank you, Madam.

## माननीय अध्यक्ष :

डॉ. किरिट पी. सोलंकी को डॉ. उदित राज द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति पूदान की जाती हैं<sub>।</sub>